SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

# वार्षिक रिपोर्ट
# Annual Report
# 2002 - 2003

अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी

State-of-the-art
Technology...

सेवा के लिए प्रतिबद्ध

Committed to
Service...

ఆంధ్రాబ్యాంక్ आन्ध्रा बैंक Andhra Bank

हमारी निष्ठा अपने कार्यनिष्पादन का प्रेरक है

Our dedication drives our performance.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

# निदेशक मंडल BOARD OF DIRECTORS

**डा. बी. वसन्तन**
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
***Dr. B. Vasanthan***
Chairman & Managing Director

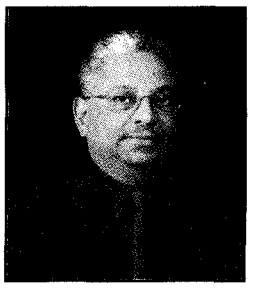

**श्री आर. बालकृष्णन**
कार्यपालक निदेशक
***Sri R Balakrishnan***
Executive Director

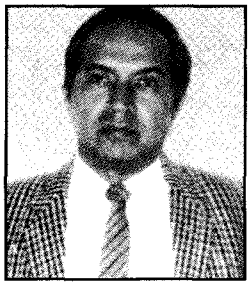

**श्री.जी.एस.दत्त**
वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली
**Sri G.S. Dutt**
Ministry of Finance, New Delhi

**श्री एस.एस.गंगोपाध्याय**
भारतीय रिजर्व बैंक, हैदराबाद
**Sri S.S. Gangopadhyay**
Reserve Bank of India, Hyderabad

**श्री बी. प्रकाश**
निदेशक
**Sri B. Prakash**
Director

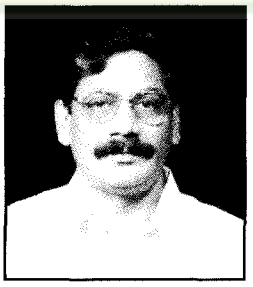

**श्री कासु सुधाकर**
निदेशक
**Sri Kasu Sudhakar**
Director

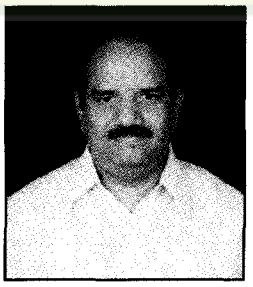

**श्री पी. परमेश्वर राव**
निदेशक
**Sri P. Parameswara Rao**
Director

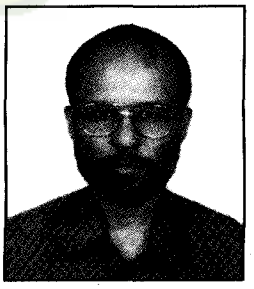

**श्री अनिल कुमार सूद**
निदेशक
**Sri Anil Kumar Sood**
Director

**प्रो. टी.नवनीत राव**
निदेशक
**Prof. T. Navaneeth Rao**
Director

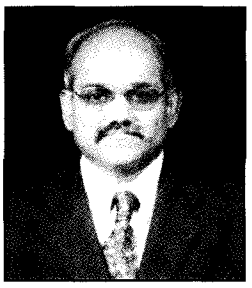

**श्री एस. स्वामिनाथन**
निदेशक
**Sri. S. Swaminathan**
Director

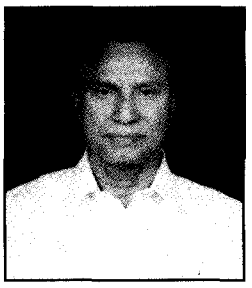

**श्री एम. राजय्या**
निदेशक
**Sri M. Rajaiah**
**Director**

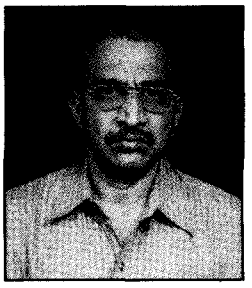

**श्री के.वी. सुब्बय्या**
निदेशक
**Sri K. V. Subbaiah**
Director

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net



## विषय सूची/CONTENTS


- अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक से/From the Chairman & Managing Director ..... 3
- वार्षिक साधारण बैठक की सूचना/Notice of Annual General Meeting ..... 5
- निदेशकों की रिपोर्ट/Directors' Report ..... 7
- प्रबंधन विचार विमर्श एवं विश्लेषण/Management Discussion and Analysis ..... 23
- कार्पोरेट गवर्नेन्स/Corporate Governance ..... 31
- तुलन पत्र/Balance Sheet ..... 46
- लाभ व हानि लेखा/Profit and Loss Account ..... 47
- लेखों पर टिप्पणियाँ/Notes on Accounts ..... 57
- लेखा नीतियाँ/Accounting Policies ..... 69
- लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट/Auditors' Report ..... 73
- नकदी प्राप्ति विवरण/Cash Flow Statement ..... 75
- प्रगति का विहंगावलोकन/Progress at a Glance ..... 77
- मुख्य निष्पादन अनुपात/Key Performance Ratios ..... 79
- विदेशी मुद्रा में संक्षिप्त वित्तीय विवरण/Abridged Financial Statements in Foreign Currency ..... 81
- शाखाओं का वर्गीकरण - समूहवार - जनसंख्या /Classification of Branches - Population Group Wise ..... 82
- अनुषंगी संस्थाओं के वित्तीय विवरण/Financial Statements of Subsidiary
  आन्ध्रा बैंक फाईनैंशियल सर्विसेस लिमिटेड/Andhra Bank Financial Services Limited ..... 83
- आन्ध्रा बैंक एवं इसकी अनुषंगियों के समेकित वित्तीय विवरण
  Consolidated Financial Statements of Andhra Bank and its subsidiary ..... 124
- परोक्षी फार्म/Proxy Form ..... 159
- उपस्थिति पत्रक, प्रवेशपत्र/Attendance Slip, Entry Pass ..... 161


**लेखा परीक्षक *Auditors***

एच. गंभीर एण्ड कं., नई दिल्ली
H. Gambhir & Co., New Delh

एम. आर. नारायण एण्ड कंपनी, चेन्नै
M.R.Narain & Co, Chennai

वाही एण्ड गुप्ता, नई दिल्ली
Wahi & Gupta, New Delhi

एस.आर.मोहन एण्ड कं., हैदराबाद
S.R. Mohan & Co., Hyderabad

अब्राहम एण्ड जोस, कोच्चि
Abraham & Jose, Kochi

सी आर सागदेव एण्ड कं., नागपुर
C.R. Sagdeo & Co., Nagpur

Registrar & Share Transfer Agent

**मेसर्स एम सी एस लि.**
(यूनिट आन्ध्रा बैंक)
श्री वेंकटेश्वर भवन, प्लाट संख्या 27, रोड नं 11
एम आई डी सी एरिया, अंधेरी (पूर्व), मुम्बई - 400 093.

M/s ***MCS Ltd.,***
(Unit: Andhra Bank)
Sri Venkatesh Bhavan, Plot No. 27, Road No. 11
M.I.D.C. Area, Andheri (East), MUMBAI-400 093.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net



प्रिय शेयरधारको,

भारतीय बैंकिंग उद्योग जो विभिन्न समस्याओं से जूझ रहा है, पुनःसृजन एवं समेकन के दौर से गुजरा है. भारत में आर्थिक एवं व्यवसाय के परिवेश के परिवर्तनों में बैंक प्रचालन में अनुकूल परिवर्तन अवश्य हुआ है. भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए स्पंदन, सक्षम, स्थिर, उत्तम एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मक बैंकिंग प्रणाली द्वारा रूपांतरण का प्रबंध करना अत्यावश्यक है. इसके लिए उत्पादकता एवं परिचालन में वृद्धि करना है. मुझे आपको सूचित करते हुए प्रसन्नता है कि वर्ष 2002-03 के दौरान आपके बैंक के कार्यनिष्पादन ने अपनी क्षमता को प्रदर्शित किया है जो हमें अब एवं भविष्य में प्रतिस्पर्धात्मक बल देता है. वित्तीय वर्ष 2001-2002 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2002-2003 में बैंक के कार्यनिष्पादन की मुख्य-मुख्य बातें इस प्रकार हैं.

- ग्राहक आधार 10.5 मिलियन को पार किया है.
- कुल व्यवसाय 28472 करोड से रु 32961 करोड तक बढा है जो 15.77% की वृद्धि है.
- कुल निक्षेप रु 18303 करोड से रु 20945 तक बढा है जो लगभग 14.43% की वृद्धि है.
- अल्प लागत निक्षेप की वृद्धि लगभग 23% है जो कुल निक्षेप का 30.5% है.
- निक्षेप की लागत 8.2% से 7.12% तक घट गयी है.
- सकल बैंक ऋण रु 9981 करोड से रु 11899 करोड तक बढा है जो 19.2% की वृद्धि है.
- परिणामस्वरूप, ऋण जमा अनुपात 54.53% से 56.81% तक बढा है.
- निवल ब्याज मार्जिन (अर्जित आस्तियों पर आधारित) 3.05% से 3.33% तक बढा है.
- गैर ब्याज आय ने रु 304.02 करोड से रु 603.64 करोड तक भारी वृद्धि दर्शायी है जो 99.0% की वृद्धि है.
- परिचालन लाभ 425.38 करोड से 754.83 करोड तक बढा है जो 77.45% की वृद्धि है.
- निवल लाभ रु 202.27 करोड से रु 402.99 करोड तक बढा है जो 99.23% की वृद्धि है.
- आय अनुपात को लागत 51.63% से 44.36% बढी है
- सकल एनपीए 5.26% से 4.89% तक घट गया है.
- निवल एनपीए 2.45% से 1.79% तक घट गया है.
- पूंजी पर्याप्तता अनुपात 31.03.2002 को 12.59% से 31.3.2003 को 13.62% तक बढ गया है.
- आस्तियों पर आय 0.97% से 1.63% तक बढ गयी है.
- नेटवर्थ पर आय ने 22.89% से 36.13% तक भारी वृद्धि दर्शायी है.
- निवल लाभ प्रति कर्मचारी रु 1.58 लाख से रु 3.10 लाख तक बढ गया है.
- व्यवसाय प्रति कर्मचारी रु 195.96 लाख से रु 226.71 लाख तक बढ गया है.

वर्ष के दौरान 31 शाखाएँ एवं 24 विस्तार काउंटर खोले गये हैं. इस प्रकार शाखाओं की कुल संख्या 1100 हो गयी हैं जो 19 राज्यों एवं 2 संघशासित क्षेत्रों में फैली हुई हैं एवं 44 क्लस्टर कार्यालय के अतिरिक्त 113 विस्तार काउंटर हैं. 31.3.2003 को बिजनेस डिलिवरी चैनलों की कुल संख्या 1477 हो गयी है.

सुदृढ ब्रांड ईक्विटी बनाने के बैंक की प्रतिबद्धता के अनुसार, बैंक ने वैयक्तिक बैंकिंग की अवधारणा प्रारंभ की है. 31.3.2003 को वैयक्तिक बैंकिंग केंद्रों (पीबीसी) की संख्या 175 से 256 हो गयी हैं. पीबीसी ने लगभग 1.2 लाख एकल उधारकर्ताओं को कुल रु 1200 करोड ऋण एवं अग्रिम मंजूर किया है. इस जोश को जारी रखते हुए बैंक ने 41 व्यापार वित्त केंद्र (टीएफसी) खोले हैं जो मध्यम प्रकार व्यापार इकाइयों को ही वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं.

वर्ष 2002-03 के दौरान बैंक ने आन्ध्र प्रदेश राज्य में स्वयं सहायक दल (एसएचजी) - बैंक लिंकेज कार्यक्रम में प्रथम स्थान बनाये रखा है. वर्ष 2001-02 के लिए बैंक को आन्ध्र प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री श्री एन.चंद्रबाबु नायडु द्वारा स्वयं सहायक दलों को वित्तपोषित करने के कारण नाबार्ड पुरस्कार प्रदान किया गया है. वित्तीय सहायता दी गयी एसएचजी की संख्या ऋण संवितरण समेत रु 93.51 करोड के बकाये ऋण के साथ 27349 से 43370 तक बढ गयी है. कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग 6 लाख महिलाओं को कवर किया गया है. इस सफलता के तीसरे वर्ष में बैंक ने बहु संख्या में विकास वालंटीर वाहिनी (किसान) क्लब आयोजित किया है एवं बैंक ने नाबार्ड से पुरस्कार प्राप्त किया है. बैंक ने राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुसार लघु क्षेत्रों, छोटे व्यापारियों एवं कारीगरों के लिए लघु उद्यमी क्रेडिट कार्ड (एलयूसीसी) प्रारंभ किया है. किसान क्रेडिट कार्डों के क्षेत्र में बैंक ने 31.3.2003 को समाप्त वर्ष के दौरान 1.7 लाख कार्ड जारी किये हैं. विशेष कृषि क्रेडिट आयोजना (एसएसीपी) के अंतर्गत बैंक ने लगभग रु 1000 करोड तक ऋण दिया है. मार्च 2003 के अंत तक प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों के बकाया अग्रिम 40.72 % रहा है. इस प्रकार निर्धारित 40% का लक्ष्य पार किया है. कृषि के प्रत्यक्ष वित्त के लिए निर्धारित 13.5% लक्ष्य को भी बैंक ने पार किया है. मार्च 2003 तक 15.34% के स्तर से बकाया कृषि ऋण को निवल बैंक ऋण के 18.0% तक लाने के लिए बैंक का प्रयास जारी है. प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बैंक के प्रयास बहुमुखी दृष्टिकोण से जारी हैं. 31.03.2003 को उन शाखाओं, जहाँ बिजली, टेलीकम्यूनिकेशन जैसी आवश्यक आधारभूत संरचना उपलब्ध नहीं है, को छोड कुल 1100 शाखाओं में से 100 % पात्र 1087 शाखाओं को कम्प्यूटरीकृत किया गया है. बैंक ने देश भर में 2.31 लाख कार्डधारकों को दिन में 24 घंटे एवं वर्ष में 365 दिन किसी भी समय बैंकिंग सुविधा प्रदान करते हुए 220 एटीएम नेटवर्क किये हैं. नकद सीमाओं के अंतर्गत आहरणों के लिए वीसा कार्डों को बैंक के एटीएम के साथ सुसंगत किया गया है. बैंक का डेबिट कार्ड -एबी पावर- हाल ही में प्रारंभ किया गया है. विभिन्न प्रौद्योगिकी उपायों का प्रयोग करते हुए, आने वाले दिनों में ग्राहक आधार को पर्याप्त रूप से बढाने की योजना बनायी है. बैंक के प्रयासों को मान्यता देते हुए आईडीबीआरटी ने इन्फिनेट सुविधा के विस्तृत प्रयोग एवं प्रयोज्यता के लिए विशेष पुरस्कार प्रदान किया है.

संपर्क बैंकिंग को और जोर देने की बैंक की नीति के अनुसार बैंक ने ग्राहक संपर्क अधिकारी (सीआरओ) की संकल्पना प्रारंभ की है जो बैंक एवं विद्यमान तथा भविष्य के ग्राहकों के बीच मध्यस्थता के रूप में काम कर रहे हैं. 31.3.2003 को सीआरओ की संख्या 118 तक बढ गयी है. इन अधिकारियों को विपणन, व्यक्तित्व विकास, ग्राहक-ध्यान की विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया गया है. वर्ष 2003-04 के दौरान सीआरओ की इस संख्या को और 400 तक बढाने के लिए बैंक ने योजना बनायी है. ग्राहकों को मूल्य वर्धित सेवाएँ सामान्य लागत पर प्रदान करने के लिए बैंक ने मेसर्स बिरला सनलाईफ इंसुरेंस कंपनी के साथ मिलकर एक नया बीमायुक्त बचत बैंक खाता, जैसे -जीवन अभया- प्रारंभ किया है.

गैर-ब्याज आय की वृद्धि करने के लिए, बैंक ने नये उत्पाद एवं सेवाएँ प्रारंभ करने के लिए विभिन्न उपाय किये हैं. बैंक की शाखाओं के चयनित नेटवर्क के जरिए अनिवासी भारतीयों द्वारा निधि प्रेषण के लिए बैंक ने वेस्टर्न यूनियन फाइनैंशियल सर्विसेस के साथ अनुबंधित किया है. बैंक 296 शाखाओं द्वारा प्रत्यक्ष करों की वसूली करता है. बैंक ने कार्पोरेट अभिकर्ता के रूप में कार्य करने के लिए इंसुरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथारिटी (आईआरडीए) द्वारा लाइसेंस प्राप्त हुआ है एवं शाखाओं के नेटवर्क के जरिए गैर-जीवन बीमा उत्पादों की बिक्री प्रारंभ कर दी है. बैंक की शाखाओं के जरिए म्युच्युअल निधि उत्पादों की बिक्री के लिए योजनाएँ बनायी जा रही हैं. उत्पादों के विपणन एवं सह-विक्रय समेत गुणवत्ता के स्तरों में वृद्धि के लिए बैंक निरंतर प्रयास कर रहा है.

वित्तीय वर्ष 2002-2003 के दौरान, 30 शाखाओं ने आईएसओ प्रमाणन प्राप्त किया है. वर्ष 2003-2004 के दौरान और 100 शाखाओं के लिए आईएसओ प्रमाणन प्राप्त करने के लिए बैंक ने योजना बनायी है. बैंक के पास 12991 प्रतिबद्ध कार्यदल हैं. शीघ्र परिवर्तनों एवं प्रतिस्पर्धा में वृद्धि के साथ चलने के लिए बैंक के मानव संसाधनों के प्रशिक्षण एवं पुनःनिपुणता पर जोर निरंतर दिया जा रहा है. विदेश प्रशिक्षण इत्यादि समेत आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं बाह्य प्रशिक्षण सुविधाओं के जरिए वर्ष के दौरान 3509 स्टाफ सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया है. आपके बैंक के सभी स्तरों के स्टाफ एवं अधिकारियों, जिन्होंने उत्साहवर्धक कार्यनिष्पादन संभव किया है, की निष्ठा एवं प्रतिबद्धता के लिए मैं अपनी प्रशंसा व्यक्त करता हूँ.

व्यवसाय एवं परिचालनात्मक परिणामों की वृद्धि के जरिए आपके बैंक ने शेयरधारकों की संपत्ति में पर्याप्त मूल्य जोडा है. केंद्रीय सरकार को रु 50 करोड की पूंजी का एक भाग वापस करने के बाद, रु 884 करोड से रु 1115 करोड तक, बैंक ने 26.2% नेटवर्थ की वृद्धि की है. आपके बैंक के अर्जन में भारी वृद्धि का परिणाम ईपीएस एवं प्रति शेयर बही मूल्य में पर्याप्त वृद्धि है. ईपीएस रु 4.49 से रु 10.07 तक बढ गया है. प्रति शेयर बही मूल्य भी रु 19.64 से रु 27.89 तक बढ गया है. बैंक ने शेयरधारकों को पिछले वर्ष के 14 % लाभांश की तुलना में वर्ष 2002-2003 के लिए 24% लाभांश घोषित किया है. भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए बैंक को संपूर्ण रूप से सक्षम बनाया गया है. मैं संपूर्ण आन्ध्रा बैंक के स्टाफ के साथ मिलकर आगे आने वाले समय में ग्राहकों एवं अन्य शेयरधारकों की उच्च प्रत्याशाओं को पूरा करने में हम सब पुनः समर्पित होंगे. आपके निरंतर समर्थन की आशा करते हुए,

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

आपका,

(बी.वसन्तन)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक



www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net



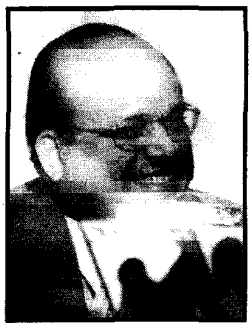

Dear Shareholder,

Indian Banking Industry, which is riddled with different problems has gone through the phase *of regeneration and consolidation. Changes in* the economic and business environment in India has certainly changed the way banks operate. To meet future challenges, it is but necessary to manage the transformation by establishing a vibrant, efficient, stable, sound and internationally competitive banking system. This calls for improvement in productivity and enhanced operational efficiency.

I am glad to inform you that the performance of your bank during the year 2002-03 has demonstrated its ability that gives us competitive edge now and in the future. The highlights of the performance of the Bank in FY 2002-03 as compared to FY 2001-02 are :

- Clientele base crossed 10.5 mn
- Total business increased from Rs. 28472 crores to Rs 32961 crores, registering a growth of 15.77%
- The aggregate deposits increased from Rs. 18303 crores to Rs. 20945 crores with a growth rate of about 14.43%
- Growth in low cost deposits was about 23% constituting 30.5% of total deposits
- Cost of Deposit was brought down from 8.2% to 7.12%
- The Gross Bank Credit increased from Rs. 9981 crores to Rs. 11899 crores *with a growth rate of 19.2%*
- Consequently, the Credit Deposit Ratio improved from 54.53% to 56.81%
- The Net Interest Margin (based on earning assets) increased from 3.05% to 3.33%
- Non-interest income has shown a robust growth from Rs. 304.02 crores to Rs. 603.64 crores with a growth rate of 99.0%
- Operating profit increased by 77.45% from Rs. 425.38 crores to Rs. 754.83 crores
- Net Profit up by 99.23% from Rs. 202.27 crores to Rs. 402.99 crores
- Cost to Income ratio improved from 51.63% to 44.36%
- Gross NPA declined from 5.26% to 4.89%
- Net NPA declined from 2.45% to 1.79%
- Capital Adequacy Ratio rose from 12.59% as on 31.03.2002 to 13.62% as on 31.03.2003
- Return on Assets rose from 0.97% to 1.63%
- Return on Net worth had shown robust growth from 22.89% to 36.13%
- Net Profit per employee increased from Rs. 1.58 lacs to Rs. 3.10 lacs
- Business per employee increased from Rs. 195.96 lacs to Rs. 226.71 lacs

During the year, 31 Branches and 24 Extension Counters were opened, thus taking the total number of branches to 1100 spread over 19 States and 2 Union Territories and Extension Counters to 113 besides 44 Cluster Offices. As on 31-03-2003, the total number of "Business Delivery Channels" increased to 1477. In consonance with the commitment of the Bank to build a strong Brand Equity, the Bank had introduced the concept of 'Personal Banking'. As on 31-03-2003, the number of Personal Banking Centres (PBCs) increased to 256 from 175. The PBCs had sanctioned loans and advances aggregating Rs.1200 crores to about 1.2 lacs individual borrowers. Continuing the thrust, the bank opened 41 Trade Finance Centres (TFCs) which are extending focussed financial assistance to mid sized trading units.

The Bank has retained its No. 1 position in Self Help Groups (SHGs) - Bank Linkage Programme in the State of Andhra Pradesh during the year 2002-03. NABARD Award for financing Self Help Groups was presented to the Bank by the Hon'ble Chief Minister of Andhra Pradesh, Sri N Chandrababu Naidu for the year 2001-02. The number of SHGs extended financial assistance increased from 27349 to 43370 with credit disbursements with outstanding credit of Rs. 93.51 crores. About 6 lacs women were covered under the programme. For the third year in succession, the Bank had organized the largest number of Vikas Volunteer Vauhini (Farmers) Clubs and the Bank had secured an Award from NABARD. The Bank had also launched in conformity with the National priorities, the Laghu Udhyami Credit Card (LUCC) for small scale sectors, small traders and artisans etc. In the area of Kisan Credit Cards, the Bank has issued 1.7 lac cards during the year ended 31.03.2003. Under the Special Agriculture Credit Plan (SACP), the Bank had lent about Rs. 1000 crores. As at the end of March, 2003, the outstanding advances to priority sectors stood at 40.72% thus, crossing the target of 40% set. The Bank had also crossed the target of 13.5% set for direct finance to agriculture. The efforts of the Bank to take outstanding agriculture credit to 18.0% of the Net Bank Credit from the level of 15.34% as at March, 2003 continues with concerted endeavours.

In the field of technology, the efforts of the Bank continued with a versatile approach. As on 31-03-2003, 100% of the eligible branches i.e., 1087 out of 1100 branches stood computerised excepting those where the required infrastructure like power, telecommunication lines are not available. The Bank has set up 220 ATMs networked across the country providing "Anytime Banking" for 24 hours in a day, 365 days a year with 2.31 lacs cardholders at present. VISA Cards are made compatible with the Bank's ATM for drawals under cash limits. The Bank's Debit Card 'AB-Power' has just been launched. Using the various technology initiatives, the Bank has planned to substantially increase the clientele base in the days ahead. In recognition of the Bank's efforts, IDBRT has presented Special Award for extensive usage and application of INFINET facility.

In tune with the policy of the Bank to give further thrust to relationship banking, the Bank had introduced the concept of 'Client Relationship Officers' (CROs), who operate as an interface between the Bank and its clients, existing as well as future. The number of CROs increased to 118 as on 31-03-2003. These officers were trained in various aspects of marketing, personality development and customer care. The Bank has plans to increase the number of CROs by another 400 during 2003-04.

To provide value-added services at nominal cost to customers, the Bank introduced *a new Insurance-linked Savings Bank Account viz., "Jeevan Abhaya" in* association with M/s Birla Sun Life Insurance Company.

In order to augment the growth of non-interest income, the Bank has undertaken initiatives to introduce new products and services. The Bank has tied up with Western Union Financial Services for remittance of funds by Non-Resident Indians through select network of the bank's branches. The Bank undertakes collection of direct taxes from 296 branches. The Bank has secured license from Insurance Regulatory & Development Authority (IRDA) to function as Corporate Agent and commenced sale of non-life insurance products through the network of branches. Plans are also on the anvil to sell Mutual Fund products through the Bank's branches. Along with marketing and cross-selling of products, improving the quality standards has been a sustained focus of the Bank. During the FY 2003-03, 30 branches received ISO Certification. The Bank has plans to obtain ISO Certification for further 100 branches during the year 2003-04.

The Bank has a committed workforce of 12991. To cope with the rapid changes and increase in competition, sustained emphasis is laid on training and re-skilling of the human resources of the Bank. 3509 staff members have been trained during the year through internal training programmes, deputation to external training facilities including overseas training etc. I place on record my appreciation for the dedication and commitment of the staff and officers of your bank at all levels, which made the encouraging performance possible.

Your Bank added substantial value to the shareholders' wealth through growth in business and improved operating results. The Networth of the Bank increased after reckoning return of a part of Capital of Rs 50 crores to the Central Government by 26.2% from Rs 884 crores to Rs 1115 crores. The robust growth in the earnings of your Bank has resulted in steep increase in both EPS and Book Value per share. The EPS improved from Rs 4.49 to Rs 10.07. The Book Value per share also improved from Rs 19.64 to Rs. 27.89. The Board of Directors of the Bank have declared a dividend of 24% to the shareholders for the year 2002-03 as against 14% for the previous year.

The Bank is fully geared to meet the challenges of the future. I join the entire rank and file of staff of Andhra Bank in rededicating ourselves to meeting the heightened *expectation of customers and other stakeholders in the exciting times ahead.* Looking forward to your continued support.

With warm greetings,

Yours sincerely,

(B Vasanthan)
Chairman & Managing Director

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

आन्ध्रा बैंक Andhra Bank
(भारत सरकार का उपक्रम)
प्र.का: डा. 5-9-11,पट्टाभि भवन, सैफाबाद, हैदराबाद - 500 004.

# सूचना

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि आन्ध्रा बैंक के शेयरधारकों की तृतीय वार्षिक साधारण बैठक शुक्रवार, 27 जून, 2003 के सुबह 10 बजे शिल्पकला वेदिका, शिल्पारामम, क्राफट्स विलेज, हाइटेक सिटी के पास, मादापुर,हैदराबाद 500 081 में निम्नलिखित कार्य के लिए आयोजित की जाएगी.

I. साधारण व्यवसाय : 31 मार्च 2003 को बैंक का तुलन पत्र, 31 मार्च 2003 वर्ष की समाप्ति को लाभ एवं हानि लेखा, लेखा द्वारा कवर की गयी अवधि हेतु बैंक के कामकाज एवं गतिविधियों पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट एवं तुलनपत्र एवं लेखा पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

II. विशेष व्यवसाय : चालू वित्तीय वर्ष 2003-04 के दौरान आवश्यक अनुमोदन के अधीन रु 50 करोड की पूंजी केंद्रीय सरकार को वापस करने पर विचार करने के लिए,

यदि ठीक माना जाए तो, संशोधनों के साथ या बगैर, निम्नलिखित पर विचार करने तथा इसे पारित करने के लिए

संकल्प पारित किया जाता है कि बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1980 के प्रावधानों के अनुसरण में केंद्रीय सरकार द्वारा रु 50 करोड तक रखी गयी पूंजी के पुनर्भुगतान द्वारा बैंक के प्रदत्त ईक्विटी शेयर पूंजी कम करने के लिए बैंक के शेयरधारकों के अनुमोदन से अनुमति दी जाती है.

आगे यह संकल्प किया जाता हर्षै कि आन्ध्रा बैंक के निदेशक मंडल को उक्त संकल्प को प्रभावी बनाने के लिए, जो भी आवश्यक हो, करने के लिए प्राधिकृत किया जाता है.

निदेशक मंडल के आदेश से
बी.वसन्तन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

हैदराबाद
23.5.2003

**व्याख्यात्मक विवरण**

मद संख्या 2 के संबंध में:

आन्ध्रा बैंक के निदेशक मंडल ने विभिन्न विकल्पों पर विचार करने के बाद, केंद्र सरकार द्वारा रु 50 करोड तक रखी गयी ईक्विटी शेयर पूंजी के पुनर्भुगतान द्वारा बैंक की प्रदत्त ईक्विटी शेयर पूंजी कम करने का निर्णय किया है. निदेशक मंडल का मत है कि ईक्विटी शेयर पूंजी इस प्रकार कम करने से प्रति शेयर बही मूल्य, प्रति शेयर अर्जन इत्यादि की वृद्धि के जरिए शेयरधारक मूल्य में वृद्धि होगी.

बैंकिंग कम्पनी (अधिग्रहण एवं उपक्रमों का अंतरण ) अधिनियम 1980 के प्रावधानों के अनुसरण में, इस संकल्प को शेयरधारकों, जिन्हें वोट देने का अधिकार है और बैठक में उपस्थित हैं, द्वारा तीन चौथाई बहुमत से पारित करने की आवश्यकता है. निदेशक मंडल शेयरधारकों को उक्त संकल्प पारित करने की सिफारिश करता है.

बैंक का कोई भी निदेशक उक्त कार्य-मदों के लिए निजी रूप से हित या संबंध नहीं रखता है.

**टिप्पणियाँ:**

1. **परोक्षी की नियुक्ति**
बैठक में भाग लेने तथा वोट देने के हकदार शेयरधारक अपने स्थान पर बैठक में भाग लेने तथा वोट देने हेतु एक परोक्षी नियुक्त कर सकते हैं एवं ऐसा परोक्षी बैंक का सदस्य होना आवश्यक नहीं है. परोक्षी को प्रभावी बनाने के लिए बैठक के कम से कम चार दिन पूर्व यानी 22.06.2003 तक बैंक के प्रधान कार्यालय में अवश्य जमा/दर्ज हो जानी चाहिए. ऐसे व्यक्ति को प्राधिकृत प्रतिनिधि अथवा परोक्षी नियुक्त नहीं किया जाएगा, जो बैंक का अधिकारी अथवा कर्मचारी हो.

2. **प्रतिनिधि की नियुक्ति**
कंपनी के प्रतिनिधि के रूप में किसी भी व्यक्ति को बैठक में भाग लेने या वोट देने की अनुमति नहीं दी जा सकती जब तक वह संकल्प, जिसमें उसे प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया गया हो और बैठक के अध्यक्ष ने उसे प्रमाणित किया हो, की प्रति बैक के प्रधान कार्यालय में बैठक के चार दिन पहले जमा नहीं करता है.

3. **उपस्थिति पत्रक सह प्रवेश पास**
शेयरधारकों की सुविधा के लिए उपस्थिति पत्र इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है. शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे उपस्थिति पत्रक भरकर एवं उसमें दिये गये खाली स्थान पर हस्ताक्षर करके उसे बैठक स्थल पर जमा कर दें. परोक्षी/प्रतिनिधि उपस्थिति पत्रक पर परोक्षी या प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो, का उल्लेख करें.

4. **लाभांश**
वर्ष 2002-2003 के लिए बैंक ने 24 प्रतिशत लाभांश घोषित किया एवं लाभांश शेयरधारकों, जिनके नाम 20 जून 2003 को शेयरधारक रजिस्टर में हों, को 9 जून 2003 को अदा किया गया है.

5. **नेशनल सिक्युरिटीस डिपाजिटरी लि. व सेंट्रल डिपाजिटरी सर्विसेस (इं.) लि. के साथ इलेक्ट्रानिक फार्म में बैंक शेयर होना.**
बैंक ने निर्गमकर्ता कम्पनी के रूप में अपने शेयरों को डीमैटिरियलाइजेशन के लिए नेशनल सिक्युरिटीस डिपाजिटरी लि. [एनएसडीएल] व सेंट्रल डिपाजिटरी सर्विसेस (इं) लि.[सीडीएसएल] से करार किया है. डीमैटीरियलाईजेशन का अनुरोध संबंधित डिपाजिटरी सहभागियों के जरिए हमारे रजिस्ट्रार एवं अंतरण अभिकर्ता मेसर्स एम.सी.एस लिमिटेड, मुम्बई को भेजना है.

6. **लाभांश के लिए बैंक का आदेश पत्र या इलेक्ट्रानिक समाशोधन सेवा (ईसीएस)**
निवेशकों को अपने लाभांश वारंट के धोखा नकदीकरण से बचाने के लिए बैंक ने इलेक्ट्रानिक समाशोधन सेवा की सुविधा बैंक ने उन शेयरधारकों को दी है जिनके बैंक खाते निम्न केंद्रों में हैं, मुम्बई, नई दिल्ली, कोलकता, चेन्नई, अहमदाबाद, बेंगलुर, हैदराबाद, पुणे, कानपुर, नागपुर, जयपुर, चंडीगढ, पटना, भुबनेश्वर, गुवाहाटी एवं तिरुवनंतपुरम.

7. **पन्नों का समेकन**
शेयरधारक, जिन्होंने एक ही क्रम के नाम से एक से अधिक खातों में शेयर रखें हैं, से अनुरोध है कि वे रजिस्ट्रर व अंतरण एजेंट को ऐसे खातों के लेजर पन्नों का विवरण शेयर सर्टिफिकेट के साथ भेज दें ताकि बैंक द्वारा सभी का समेकन एक ही खाते में किया जा सके. शेयर सर्टिफिकेट बाद में आवश्यक पृष्ठांकन के बाद सदस्यों को लौटा दिये जाएंगे.

8. **अंतरण के लिए जमा करना**
शेयर सर्टिफिकेट, अंतरण विलेख के साथ बैंक के रजिस्ट्रार व शेयर-अंतरण एजेंट को निम्न पते पर भेजा जाय.
मेसर्स: एमसीएस लि. (यूनिट : आन्ध्रा बैंक)
श्री वेंकटेश भवन, प्लाट नं.27, रोड नं.11,
एमआईडीसी एरिया, अंधेरी (पश्चिम), मुबई - 400 093

9. **शेयरधारकों से अनुरोध**
   क ) कृपया नोट करें कि वार्षिक प्रतिवेदन की प्रतियाँ वार्षिक साधारण बैठक में एक मितव्ययता के उपाय के रूप में वितरित नहीं की जाएंगी. अतः शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे वार्षिक रिपोर्ट की अपनी प्रति बैठक में अपने साथ लाएँ.
   ख ) सदस्य कृपया नोट करें कि बैठक के दौरान कोई उपहार/कूपन नहीं बाटे जायेंगे.
   ग ) शेयरधारकों को सलाह दी जाती है कि वे बैग/ब्रीफकेस/टेपरिकार्डर/कैमरा आदि अपने साथ न लाएँ क्योंकि ये वस्तुएँ सुरक्षा जाँच के अधीन हैं, इनके लाने से हाल में प्रवेश की अनुमति भी नहीं दी जा सकती है.

---

नोटः बैंक चाहता है कि यदि शेयरधारक वार्षिक साधारण बैठक में कोई सुझाव देना या स्पष्टीकरण चाहते हों तो कार्यसूची की केवल दो मदों के संबंध में वे अपने सुझाव, शंका आदि बैंक के प्रधान कार्यालय के शेयर संविभाग एवं निवेशक सेवा अनुभाग को भेज सकते हैं जो कम से कम बैठक की तिथि के सात दिन से पहले प्राप्त हो.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

आन्ध्रा बैंक Andhra Bank
(A Govt. of India Undertaking)
H.No. 5-9-11, Dr. Pattabhi Bhavan, Saifabad, Hyderabad – 500 004

# NOTICE

Notice is hereby given that the Third Annual General Meeting of the shareholders of Andhra Bank will be held at Shilpakalavedika, Shilparamam, Crafts Village, Near Hi-Tec City, Madhapur, Hyderabad – 500 081, on Friday, the 27th June, 2003, at 10.00 am to transact the following business:

**I. Ordinary Business :** To discuss the Balance Sheet of the Bank as at 31st March, 2003, Profit and Loss Account for the year ended 31st March, 2003, the Report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the Accounts and the Auditors Reports on the Balance Sheet and Accounts.

**II. Special Business :** To consider Return of Capital of Rs. 50 crores to the Central Government during the current Financial year 2003-04 subject to necessary approvals.

To consider and if thought fit, to pass, with or without modifications, the following resolution:

"RESOLVED THAT, pursuant to the provisions of the Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act, 1980 approval of the shareholders of the Bank be and is hereby given to reduce the paid-up equity share capital of the Bank by repayment of capital held by the Central Government to the extent of Rs. 50 crores".

"RESOLVED FURTHER THAT, the Board of Directors of Andhra Bank be and is hereby authorised to do all that is necessary and expedient to give effect to the aforesaid resolution".

By order of the Board of Directors
B.Vasanthan
Chairman & Managing Director

Hyderabad
23.05.2003

## EXPLANATORY STATEMENT

In respect of Item No.2:

The Board of Directors of Andhra Bank have after weighing various options, decided to reduce the paid-up equity share capital of the Bank by repayment of equity share capital held by the Central Government to the extent of Rs.50 crores. The Board of Directors are of the view, that this reduction of equity share capital would result in enhancement in the shareholder value through increase in Book Value per share, Earnings per share etc.

Pursuant to the provisions of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertaking) Act 1980, the Resolution needs to be passed with at least three fourths majority of the shareholders entitled to vote, present at the meeting and voting. The Board of Directors recommend passing of the aforesaid resolution to the shareholders.

None of the Directors of the Bank are individually interested or concerned in the aforesaid item of business.

## Notes

**1. Appointment of proxy:**

The shareholder entitled to attend and vote at the meeting is entitled to appoint a proxy to attend and vote instead of himself and such proxy need not be a share holder of the Bank. The proxy, in order to be effective, must be deposited / lodged at the Head Office of the Bank at least four days before the date of the meeting latest by 22.06.2003. No employee of the Bank shall be appointed as duly authorized representative or a proxy.

**2. Appointment of a representative:**

No person shall be entitled to attend or vote at the meeting as a duly authorized representative of a company, unless a copy of the resolution appointing him as a duly authorized representative certified to be a true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall have been deposited at the Head Office of the Bank at Hyderabad not less than four days before the date of the meeting.

**3. Attendance slip cum entry pass:**

For the convenience of the members, Attendance slip is annexed to this Report. Members are requested to fill in and affix their signatures in the space provided therein, and handover the Attendance slip cum Entry pass at the entrance of the venue of the meeting. Proxy / Representative of the shareholder should mark on the attendance slip as Proxy or Representative as the case may be.

**4. Dividend:**

The Bank has declared a dividend of 24% for the year 2002 – 2003 and the dividend shall be paid on 20th June, 2003, to the shareholders whose names appeared in the Register of Shareholder as on 9th June, 2003.

**5. Holding Bank Shares in electronic form with National Securities Depository Limited and Central Depository Services (India) Limited:**

The Bank has entered into agreement with National Securities Depository Limited (NSDL) and Central Depository Services (India) Limited (CDSL) as an issuer company for Dematerialisation of Bank's Shares. Request for Dematerialisation may be sent through respective Depository Participants to our Registrars and Transfer Agents M/S.MCS Limited, Mumbai.

**6. Bank mandate for dividend or Electronic Clearing Service (ECS):**

In order to protect the investors from fraudulent encashment of their dividend warrants, the Bank has offered Electronic Clearing Service facility to the shareholders having Bank accounts at the following Centres:

Mumbai, New Delhi, Kolkata, Chennai, Ahmedabad, Bangalore, Hyderabad, Pune, Kanpur, Nagpur, Jaipur, Chandigarh, Patna, Bhubaneswar, Guwahati and Tiruvananthapuram.

**7. Consolidation of Folios**

The shareholders who are holding shares in identical order of names in more than one account are requested to intimate to the Registrars and Transfer Agent, the ledger folio of such accounts together with the share certificates to enable the Bank to consolidate all the holdings into one account. The share certificates will be returned to the members after making necessary endorsement in due course.

**8. Lodgement for Transfers**

Share Certificates along with transfer deed should be forwarded to the Registrars and Share Transfer Agent of the Bank at the following address M/s MCS Limited (Unit Andhra Bank), Sri Venkatesh Bhavan, Plot No. 27, Road No. 11, M.I.D.C. Area, Andheri (East), Mumbai – 400 093.

**9. Request to shareholders**

(a) Please note that copies of the Annual Report will not be distributed at the Annual General Meeting as an Economy measure. Hence, shareholders are requested to bring their copies of the Annual Report to the meeting.

(b) Shareholders may kindly note that no gifts / coupons will be distributed at the venue of the meeting.

(c) Shareholders are advised to avoid bringing bags/briefcases/tape recorders/cameras, etc., as these items are subject to a security check and may not be allowed at the venue.

**NOTE:**

Bank shall highly appreciate if shareholders, desirous of making any suggestion, seeking clarifications, etc, at the Annual General Meeting, relating to the two items of agenda only may send their suggestions, queries, etc. so as to reach the Shares Division & Investors Services Section at Head Office of the Bank atleast 7 days before the date of meeting.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net



# निदेशकों की रिपोर्ट *2002-2003*

31 मार्च 2003 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षित तुलन पत्र एवं लाभ एवं हानि लेखा समेत वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए निदेशक मंडल को विशेष प्रसन्नता हो रही है.

आर्थिक परिदृश्य:

वर्ष 2002-2003 में तीव्र अकाल की वजह से भारतीय अर्थव्यवस्था कठिन दौर से गुजरा है और कृषि क्षेत्र पर असर पडा है. वास्तविक जीडीपी वृद्धि लगभग 4.4%(सीएसओ अनुमान) होने का अनुमान है. सीएसओ अग्रिम अनुमान के अनुसार, औद्योगिक क्षेत्र में समग्र बढोतरी पिछले वर्ष की 3.2 % की तुलना में वर्ष 2002-2003 के दौरान 5.8% है. जबकि सेवा क्षेत्र में, मुख्यतया निर्माण, घरेलू व्यापार, परिवहन क्षेत्र में उच्चतर बढोतरी के कारण पिछले वर्ष के 6.5% के विरुद्ध 7.1%तक बढने का अनुमान है. सीएसओ ने वित्तपोषण, अचल संपदा एवं व्यापार सेवा क्षेत्र में 2001-02 की 4.5% की तुलना में वर्ष 2002-03 में 6.5 बढोतरी बताया है.

पिछले वर्ष के 212 मिलियन टन खाद्यान्न उप्तादन के विरुद्ध वर्ष 2002-03 में खाद्यान्न उत्पादन 184 मिलियन टन होने की संभावना है. वर्तमान मुद्रास्फीति दर 6.0% है और बारिश समय पर होने से 5.0 % से 5.5 % तक कम होने की संभावना है. मानसून की भविष्यवाणी के अनुसार वर्ष 2003-04 में दीर्घावधि औसत बारिश 96% बताया गया है. इससे कृषि को कुछ राहत मिल सकती है.

प्रतिकूल विदेशी गतिविधियों के बावजूद, वर्ष 2002-03 के दौरान चालू खाते के साथ साथ मजबूत पूंजी एवं अन्य नकदी प्रवाह के कारण, हमारे देश के फारेक्स निक्षेप में अच्छी बढोतरी रेकार्ड की गयी है. मार्च 2002 को 21.3 यूएस बिलियन डॉलर.से 54.1 यूएसबिलियन डॉलर तक बढे हैं और मार्च 2003 की समाप्ति तक 75.4 यूएस बिलियन तक बढे हैं.

विश्व आर्थिक मंदी के बावजूद वर्ष 2002-03 के दौरान भारत के निर्यात उत्साहवर्धक रहे हैं. यूएस डॉलर शर्तों में निर्यात पिछले वर्ष के उसी अवधि के 0.7% की कमी के विरुद्ध वर्ष 2002-03(अप्रैल-फरवरी) में 16.7% तक बढे हैं. आयात में पिछले वर्ष के उसी अवधि में 0.8 की बहुत ही कम बढोतरी की तुलना में 16.3% वृद्धि देखी गयी है.

बजट में 2003-04 में किये गये घोषणा के अनुसार एवं पूंजी बाजार में उदारीकरण के कारण भारिबैं ने बिना किसी सीमा के अनुमत स्थानीय संसाधनों/बाजार खरीद के स्वत: रूट के अंतर्गत विदेशी वाणिज्यिक उधारी में पूर्वभुगतान की अनुमति दी है. प्रतिष्ठित भारतीय कम्पनियों को बाजार खरीदी के द्वारा 100 यूएस मिलियन डॉलर की समग्र सीमा तक उनके अपने 100% नेटवर्थ तक प्रामाणिक व्यापार गतिविधि में कार्यरत विदेशी कम्पनियों में विदेशी निवेश कर सकते हैं .

29-4-2003 को भारिबैं द्वारा वर्ष 2003-04 के लिए घोषित मुद्रा एवं ऋण नीति के तहत भारिबैं ने 29.4.2003 से बैंक दर 6.25% से घटाकर 6% कर दिया है. प्रारक्षित नकदी अनुपात (सीआरआर) 4.75% से 25 आधार प्वायंट से घटाकर 4.5% हो गया है.. यह परिवर्तन 14 जून 2003 से लागू है. भारिबैंक 2003-04 के दौरान वास्तविक 6% जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान लगा रहा है.

बैंकिंग परिदृश्य:

वर्ष 2002- 03 के दौरान मुद्रा आपूर्ति एम 3 में 15% वृद्धि (रु 22,45,576 करोड़) हुई है जब कि एक वर्ष पहले यह दर 14.2% (186782 करोड़) था. फिरभी विलयन घटाने पर भी एम 3 12.1% (रु 1,81,984 करोड़) तक बढा है . अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सकल जमाराशियों में बढोतरी में विलयन घटाने पर 12.2% है (विलयन समेत 16.1%) जो पिछले वर्ष 14.6% से कम है.

वाणिज्यिक बैंकों का गैर-खाद्यान्न ऋण में 26.2%(रु 1,40,144 करोड़)की बढोतरी हुई है , पिछले वर्ष में 13.6% (रु 64,302 करोड़) की बढोतरी के विरुद्ध, विलयन घटाने पर 17.8% (रु 95,599 करोड़)तक बढे हैं.

उभरता परिदृश्य

- विश्व प्रतिस्पर्धा एवं बढती पूंजी खाता परिवर्तनीयता समेत अर्थव्यवस्था के विदेशी क्षेत्र में प्रगामी उदारीकरण के कारण बैंकिंग क्षेत्र नई चुनौतियों का सामना करेगा. सुधारों के साथ तालमेल बिठाने के लिए इस प्रक्रिया के लिए बैंकों को प्रभावी एवं सुव्यवस्थित दीर्घावधि रणनीति आवश्यक है.
- बेसल समिति के अंतर्गत वर्तमान विचाराधीन नई पूंजी समझौता, बैंक के परिचालन में अंतर्निहित बडे जोखिमों को अभिग्रहण करने का उद्देश्य रखता है और जोखिम संवेदनशीलता में बढोतरी की परिकल्पना करता है. बैंकों को स्थिति से निपटने के लिए उनके द्वारा सामना किये जा रहे विभिन्न जोखिमों की पहचान करने, मापने, मॉनीटर एवं नियंत्रण करने के लिए, भारिबैंक ने, समय के चलते बैंकों की योग्यता को विचार करते हुए उन्हें अपनाने के लिए विभिन्न मार्गदर्शी सिद्धांत जारी किये हैं.
- भारत सरकार ने निजी बैंकों में 74% तक विदेशी निवेश की अनुमति दी है. बैंकों के वोटिंग अधिकार के लिए सीमा हटा दी गयी है. पीएसयू बैंकों में 51% से 33% तक ईक्विटी कम करने के लिए इस वर्ष संसद में बैंकिंग कम्पनी बिल पारित होने की संभावना है.. इस बिल के पारित होने पर भी पीएसयू बैंकों का पीएसयू अस्तित्व बना रहेगा.
- सरकार एवं भारिबैं बैंकिंग प्रणाली के स्वास्थ्य में सुधार के लिए प्रतिबद्ध हैं. छोटे एवं कमजोर बैंकों का समेकन एवं विलयन एक संभावना है.
- सभी बैंक तेजी से प्रौद्योगिकी मार्ग को अपनाने के कारण प्रतिस्पर्धा तीव्र हो रही है एवं जो बैंक अपने ग्राहकों (विद्यमान एवं नये दोनों) की उभरती आवश्यकताओं पर अधिक ध्यान दे रहे हैं, वे ही प्रतिस्पर्धा झेल सकते हैं.
- बैंकों के ब्याज स्प्रेड पर तीव्र प्रभाव पडेगा तथा प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अग्रिमों में सूचित स्प्रेड (पीएलआर से 2 % से अधिक नहीं) के कारण एवं बैंकों के बीच व्यापार की मात्रा बढाने के लिए कडी प्रतिस्पर्धा के कारण और भी कम हो सकता है.
- विवेकपूर्ण एवं प्रकटीकरण मानदंडों को और भी सख्त किया जा सकता है.
- भारिबैं अप्रैल-जून 2003 के दौरान पायलट आधार पर कुछ चयनित बैंकों में जोखिम आधारित पर्यवेक्षण (आरबीएस) कार्यान्वित करने का प्रस्ताव रखता है. अनुभव के आधार पर आरबीएस चरणबद्ध रूप में सभी बैंकों में लागू किया जाएगा.
- भारिबैं बैंकों के मामले में कुछ संरचनात्मक कार्रवाई प्रारंभ करेगा जिन्होंने तुरंत सुधारात्मक कार्रवाई के मापदंडों के अंतर्गत अनुपालन नहीं किया है.

वर्ष 2002-2003 के दौरान हमारे बैंक का कार्यनिष्पादन:

- वर्ष 2001-2002 के सकल लाभ रु 425.38 करोड़ के विरुद्ध चालू वर्ष के दौरान बैंक ने 77.45% की वृद्धि दर्ज करते हुए, रु 754.83 करोड़ का परिचालन लाभ अर्जित किया है.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net



# DIRECTORS' REPORT 2002 - 03

The Board of Directors of the Bank have pleasure in presenting the Annual Report together with the Audited Balance Sheet and Profit and Loss Account for the year ended 31st March 2003.

## ECONOMIC SCENARIO:

Indian Economy passed through a difficult time during 2002-2003 due to severe drought and the agricultural sector was affected. The real GDP growth is expected to be around 4.4% during 2002-2003 (CSO estimates). The overall growth in the Industrial Sector, as per CSO advance estimates is 5.8% against 3.2% in the previous year, while the Services Sector is estimated to grow by 7.1% as against 6.5% in the earlier year, mainly on account of higher growth in Construction, domestic trade and Transport sectors. The CSO has also placed the growth of Financing, real estate and business services sector at 6.5% for 2002-'03 compared to 4.5% in 2001-'02

Food grains production is expected to be around 184 million tonnes during 2002-'03 as against the production of 212 million tonnes in the previous year. Current Inflation rate is around 6.0% and it may decline to 5.0% to 5.5%, if rains are on time. The monsoon forecast speaks about 96% of long term average rain fall during 2003-'04. This may be of some comfort to agriculture.

Despite adverse external developments, our Country's Forex reserves continued to record healthy growth during 2002-'03 on account of improvement in the Current Account as well as strong Capital and other inflows. They increased by as much as US $ 21.3 billion from U.S.$54.1 billion as at the end of March 2002 to US $ 75.4 billion by the end of March 2003.

The performance of India's Exports during 2002-'03 has been encouraging despite the continued global slowdown. Exports in US dollar terms increased by 16.7% during 2002-'03 (April-February) as against a decline of 0.7% in the corresponding period of the previous year. Imports have shown an increase of 16.3% as compared with a marginal increase of 0.8% in the corresponding period of the previous year.

Pursuant to announcement made in the Budget 2003-'04 and moving further towards liberalisation of Capital Account, RBI has permitted prepayment of External Commercial Borrowings (ECBs) under automatic route out of local resources/ market purchases allowed without any limit. Indian Companies with a proven track record are permitted to make overseas investments in a foreign entity engaged in any bonafide business activity upto 100% of their networth within the overall ceiling of U.S.$100 million, by way of market purchases.

In the Monetary and Credit Policy for the year 2003-'04 announced by RBI on 29-4-2003, RBI reduced Bank Rate from 6.25% to 6% with effect from 29.04.2003. Cash Reserve Ratio (CRR) also was reduced by 25 basis points to 4.5% from 4.75%. This change comes into force from 14th June 2003. RBI is expecting a real GDP growth rate of 6% during 2003-'04.

## BANKING SCENARIO:

During 2002-'03, the growth in money supply (M3) was 15 per cent (Rs.2,24,576 crore) as against 14.2 per cent (Rs.1,86,782 crore) a year ago. However, net of mergers, M3 increased by 12.1% (Rs.1,81,984 crore). The growth in aggregate deposits of scheduled commercial banks (SCBs) at 12.2% net of mergers (16.1% with mergers) was lower than that of 14.6% in the previous year.

Non- Food credit of scheduled commercial banks registered a high growth of 26.2% (Rs.1,40,144 crore), net of mergers it rose by 17.8% (Rs.95,599 crore) as against an increase of 13.6% (Rs.64,302 crore) in the previous year.

## EMERGING SCENARIO:

In view of Global Competition and progressive liberalisation in the external sector of the economy while moving towards Capital Account Convertibility, banking sector will be facing new challenges. This process requires banks to build up effective and well co-ordinated long term strategies to keep pace with reforms.

The New Capital Accord, presently under consideration of the Basel Committee, aims at capturing major risks inherent in a Bank's operations and envisages enhancement of risk sensitivity. In order to equip banks to identify, measure, monitor and control the various types of risks assumed by them, RBI has, over a period of time, issued various guidelines considering the ability of banks to adopt them.

Govt. has permitted foreign investment upto 74% in Private Banks. Cap on Voting rights of banks has been removed. The Banking Companies Bill that envisages dilution of equity in PSU banks from 51% to 33% may be passed by Parliament this year. Even after this bill is passed, PSU banks would retain the PSU character.

Govt. and RBI are keen on improving the health of the banking system as a whole. Consolidation and mergers of small and weak banks are a probability.

With more and more banks adopting the technology route aggressively, competition is hotting up and those banks which focus on customers (existing as well as new) and emerging needs thereon would survive the competition.

The Interest Spreads of Banks will be under severe strain and likely to decline on account of suggested spreads (not exceeding 2% over PLR) in the interest rates on Priority Sector advances and also due to fierce competition to increase business volumes among Banks.

The Prudential Norms would be tightened further and disclosure norms will be enhanced.

RBI proposes to implement Risk Based Supervision (RBS) in a few select banks on pilot basis during April-June 2003. Based on the experience gained, RBS would be extended to all banks in a phased manner.

RBI will initiate certain structured actions in respect of Banks which have not complied with Prompt Corrective Action (PCA) parameters.

## OUR BANK'S PERFORMANCE DURING THE YEAR 2002-'03

The Bank recorded operating profit of Rs.754.83 Crore during the year as against Rs.425.38 Crore during 2001-'02, registering a growth of 77.45%.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net



- वर्ष 2001-02 के दौरान रु 202.27 करोड़ निवल लाभ के विरुद्ध 99% की वृद्धि दर्ज करते हुए, इस वर्ष रु 402.99 करोड़ रहा है.
- बैंक का कुल व्यापार पिछले वर्ष के रु 28,472 करोड़ से बढकर,15.77% की वृद्धि दर्ज करते हुए, 31.3.2003 को रु 32,961 करोड़ हो गया है (कुल जमाराशि - रु 21062 करोड़ एवं सकल बैंक ऋण - रु 11899 करोड़)
- 31.3.2002 को 18,303 करोड़ की सकल जमाराशियाँ 14.43% की वृद्धि दर्ज करते हुए 31.3.2003 को रु 20945 करोड़ हो गयी हैं.
- सकल जमाराशियाँ (जमाराशियों पर अधिमान्यता ब्याज दर को छोडकर) 21.57% की वृद्धि दर दर्ज की है. सभी वाणिज्यिक बैंकों ने विलयन घटाकर 12.2% की वृद्धि दर दर्ज की है (16.1% निवल विलयन समेत)
- बैंक ने एबी जीवन अभया योजना बचत बैंक के नाम पर अनोखी योजना प्रारंभ की है जिसके अंतर्गत साधारण प्रीमियम के साथ रु 1 लाख तक बीमा कवर प्राप्त है और दुर्घटना कवर रु 2 लाख तक प्राप्त है
- वर्ष के दौरान बैंक ने सकल बैक ऋण में 19.22% की वृद्धि दर दर्ज की है, 31.3.2002 को रु 9,981 करोड़ का सकल बैंक ऋण बढकर 31.3.2003 को रु 11,899 करोड़ हो गया है. वर्ष के दौरान अग्रिम में वृद्धि रु 1,918 करोड़ तक हुई है.
- बैक ने व्यापार समुदाय की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए व्यापार वित्त केंद्र संकल्पना प्रारंभ की है . बैंक ने वर्ष के दौरान 41 टीएफसी स्थापित किये हैं.
- व्यक्तिगत बैंकिंग केन्द्रों पर महत्व जारी है. वर्ष के दौरान 81 और पीबीसी खुल गये हैं . इस प्रकार कुल मिलाकर 256 पीबीसी हो गये हैं.. सितंबर 2001 में गठित होने के बाद इन पीबिसी ने अलग-अलग उधारकर्ताओं को रु.12,000 करोड़ मंजूर किये हैं.
- बैंक ने पिछले वर्ष के ऋण जमा अनुपात 54.53% की तुलना में 31.3.2003 को 56.81% प्राप्त किया है.
- बैंक ने वर्ष 2002-03 के दौरान 31 शाखाएँ खोली हैं इस प्रकार पिछले वर्ष की 1,069 शाखाओं से बढकर 1,100 शाखाएँ हो गयी हैं.
- बैंक ने लगभग 100% शाखाओं का कम्प्यूटरीकरण प्राप्त कर लिया है. बैंक की 1,100 शाखाओं में से मार्च 2003 के अंत तक 1087 शाखाएँ कम्प्यूटरीकृत हो गयी हैं.
- वर्ष 2002-03 के दौरान 200 अतिरिक्त एटीएम खोले गये हैं जिससे एटीएम की कुल संख्या 220 हो गयी है.
- बैंक 1477 बिजनेस डिलिवरी चैनल के माध्यम से जिनमें 1,100 शाखाएँ, 113 विस्तार काउंटर एवं 44 अनुषंगी शाखाएँ एवं 220 एटीएम हैं द्वारा सेवाएँ प्रदान कर रहा है.
- वर्ष के दौरान बैंक ने 3 विशेषीकृत आवास वित्त शाखाएँ व एक विशेषीकृत लघु उद्योग शाखा खोली हैं, इस प्रकार 31.3.2003 को पिछले वर्ष की 30 विशेषीकृत शाखाओं की तुलना में 34 शाखाएँ हो गयी हैं.
- क्रेडिट कार्ड व्यापार में टर्नोवर मार्च 2002 के अंत तक रु 506 करोड़ की तुलना में मार्च 2003 के अंत तक रु. 551 करोड़ रहा है .
- पिछले वर्ष के 94.74% मानक आस्तियाँ 31.3.2003 को बढकर 95.11% हो गयी हैं.
- 31.3.2002 को औसत प्रति कर्मचारी व्यवसाय रु 195.96 लाख से बढकर 31.3.2003 को रु 226.71 लाख हो गया है.
- पिछले वर्ष की जमाराशियों की 8.20% औसत लागत की तुलना में 31.3.2003 को 7.12% हो गयी है
- हमारे बैंक ने वर्ष 2002-03 के दौरान 1.70 लाख किसान क्रेडिट कार्ड जारी किये हैं.
- बैंक ने 43,370 स्वयं सहायक दल (एसएचजी) का वित्तपोषण किया है. इन दलों के अन्तर्गत लगभग 6 लाख महिलाओं को सम्मिलित किया गया . बकाया वित्त 93.51 करोड़ रहा तथा वसूली 97% रही.
- मार्च 2003 के अंत तक पिछले वर्ष के 5.26% की तुलना में सकल अग्रिम का सकल एनपीए 4.89% तक कम हो गया है.
- 31.3.2002 के निवल अग्रिम का निवल एनपीए 2.45% से 1.79%तक कम हो गया है. बैंक उन सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक है जिनका निवल अग्रिम का निवल एनपीए बहुत ही कम है.
- बैंकों को सलाह दी गयी है कि वे 31.3.2004 के पूर्व 5% तक महिला ऋणकर्ताओं को उधार दें. बैंक ने 31.3.2003 को ही महिला उधारकर्ताओं को 6.44% ऋण संवितरण प्राप्त किया है.

वित्तीय परिणाम :

31.3.2002 को रु 2333.85 करोड़ बैंक की कुल वास्तविक आय, के विरुद्ध 31.3.2003 को रु 2798.66 करोड़ के साथ कुल आय रु 464.81 करोड़ तक बढ गयी है. 31.3.2002 को गैर-ब्याज आय रु 304.02 करोड़ थी वह बढकर 31.3.2003 को रु 603.64 करोड़ हो गयी है.

पिछले वर्ष के रु 425.38 करोड़ की तुलना में परिचालनगत लाभ रु 754.83 करोड तक बढ गया है. पिछले वर्ष के रु 202.27 करोड निवल लाभ की तुलना में 31.3.2003 को रु 402.99 करोड़ का निवल लाभ बढ गया है.

31.3.2002 को रु 477.24 करोड़ का परिचालन से निवल आय (ब्याज स्प्रेड जोड गैर ब्याज आय) बढकर 31.3.2003 को रु 897.37 करोड़ हो गयी है.

पूंजीगत निधियाँ :

संदर्भाधीन वर्ष के दौरान, 10.3.2003 को हुई असाधारण सामान्य बैठक में शेयरधारकों की सहमति से 27.3.2003 को बैंक ने रु 50 करोड की पूंजीगत निधि भारत सरकार को वापस की है. रु 450 करोड़ की बैंक की पिछले वर्ष की ईक्विटी पूंजी कम होकर रू 400 करोड़ हो गयी है. परिणमस्वरूप सरकार का शेयरहोल्डिंग 66.66% से 62.50% कम हो गयी है.

व्यापारी बैंकिंग गतिविधियाँ:

बैंक ने 14 कम्पनियों के लिए लाभांश वारंट/डिबेंचर ब्याज वारंट एवं धनवापसी आदेश के लिए अदाकर्ता बैंक के रूप में कार्य किया है. वर्ष 2002-03 के दौरान शेयरधारक एवं निवेशक शिकयत कक्ष ने 6,258 शिकायतें निपटायी हैं और 31.3.2003 को कोई भी शिकायत लम्बित नहीं है.

www.reportjunction.com